जागृति

वार्षिक पत्रिका

रघुवीर सहाय इण्टर कॉलिज, अलीगढ़

विद्यालय प्रार्थना

श्री रामचन्द्र कृपालु भज मन हरण भव भय दारुणं ।
नव कंज लोचन, कंज-मुखः, करकन्ज पद कंज्जारुणं ॥
कन्दर्प अगणित अमितछवि, नव नील नीरद सुन्दरं ।
पट पीत मानहु तड़ित रुचि शुचि नौमि जनक सुता वरं ॥
भजु दीनबन्धु दिनेश दानव-दैत्य-वंश निकंदनं ।
रघुनन्द आनन्द कन्द कौशल चन्द दशरथ-नंदनं ॥
सिर मुकुट कुण्डल तिलक भाल उदार अंग विभूषणं ।
आजानु भुज सर-चाप धर, संग्राम-जित खरदूषणं ॥
इति वदति तुलसीदास शंकर-शेष-मुनि मन रंजनं ।
मम हृदय कञ्ज निवास कर कामादि खल दल गंजनं ॥